माघ मेला प्रयागराज-2024

वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर

दिनांक - 16 जनवरी से 15 फरवरी 2024

भा0वा0 अ0 शि0 प0 - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

विगत वर्षों की भाँति भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा माघमेला क्षेत्र में वानिकी उत्थान हेतु वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर का शुभारम्भ दिनांक 16.01.2024 को केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने समारोह में उपस्थित गणमान्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक माह तक चलने वाले इस शिविर में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के अन्तर्गत विभिन्न संस्थानों द्वारा विकसित वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन विभिन्न माध्यमों से किया जाएगा। इसी क्रम में उन्होने बताया कि शिविर में कृषिवानिकी वृक्षारोपण, भूमि सुधार एवं पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न तकनीकों से आगन्तुकों को अवगत कराने हेतु एक प्रदर्शनी भी लगायी गयी है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा कृषिवानिकी अपनाने पर बल दिया गया, जिसमें पॉपलर को शामिल करने पर बल दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में मीलिया–डूबिया की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बाँस की विभिन्न प्रजातियों की जानकारी साझा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी में गम्हार एवं यूकेलिप्टस पर चर्चा किया। उद्घाटन सत्र में केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार आदि के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र तथा आमंत्रित अतिथि यथा विभिन्न सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधि गण, छात्रगण तथा कृषकजन आदि उपस्थित थे।

माघ मेला प्रयागराज-2024
वानिकी प्रदर्शनी एवं चेतना शिविर

माघ मेला प्रयागराज-2024
वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर
दिनांक - 16 जनवरी से 15 फरवरी 2024
भा० वा० अ० शि० प० - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
माघ मेला प्रयागराज-2024

माघ मेला प्रयागराज-2024
वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर
दिनांक - 16 जनवरी से 15 फरवरी 2024
भा० वा० अ० शि० प० - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
माघ मेला प्रयागराज-2024
माघ मेला प्रयागराज-2024

माघ मेला क्षेत्र में हुआ जागरूकता शिविर का उद्घाटन

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की भाँति माघमेला क्षेत्र में वानिकी प्रसार हेतु प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर का उद्घाटन शुक्रवार को केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित गणमान्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक माह तक चलने वाले इस शिविर में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उन्नत वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन विभिन्न माध्यमो से किया जाएगा। इसी क्रम में उन्होने बताया कि शिविर में कृषिवानिकी वृक्षारोपण, भूमि सुधार एवं पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न तकनीकों से आगन्तुकों को अवगत कराने हेतु एक प्रदर्शनी भी लगायी गयी है।

केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा कृषिवानिकी अपनाने पर बल दिया गया, जिसमें पॉपलर, यूकेलिप्टस तथा मीलिया-डूबिया आदि प्रजातियों को शामिल करने का आह्वान किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में मीलिया डूबिया की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बाँस की विभिन्न प्रजातियों की जानकारी साझा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी में गम्हार एवं युकेलिप्टस पर चर्चा किया। उद्घाटन सत्र में केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार आदि के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

मेला में वन अनुसंधान केंद्र के शिविर का उद्घाटन

माघ मेला में शुक्रवार को वन अनुसंधान केंद्र के शिविर का उद्घाटन किया गया।

प्रयागराज। वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र में वानिकी प्रसार के लिए जागरूकता शिविर लगाया गया है। इसका उद्घाटन शुक्रवार को केन्द्र के प्रमुख डॉ संजय सिंह ने केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाने के साथ की। डॉ. संजय सिंह ने कहा कि एक माह तक चलने वाले इस शिविर में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उन्नत वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव आदि मौजूद रहे।

जागरूकता शिविर का हुआ शुभारम्भ

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की भांति माघमेला क्षेत्र में वानिकी प्रसार हेतु प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित गणमान्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक माह तक चलने वाले इस शिविर में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उन्नत वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन विभिन्न माध्यमो से किया जाएगा। इसी क्रम में उन्होने बताया कि शिविर में कृषिवानिकी वृक्षारोपण, भूमि सुधार एवं पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न तकनीकों से आगन्तुकों को अवगत कराने हेतु एक प्रदर्शनी भी लगायी गयी है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा कृषिवानिकी अपनाने पर बल दिया गया, जिसमें पॉपलर, यूकेलिप्टस तथा मीलिया-डूबिया आदि प्रजातियों को शामिल करने का आह्वान किया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में मीलिया डूबिया की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बाँस की विभिन्न प्रजातियों की जानकारी साझा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी में गम्हार एवं युकेलिप्टस पर चर्चा किया। उद्घाटन सत्र में केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार आदि के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

3

जागरूकता शिविर का उद्घाटन

प्रयागराज।भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की भांति माघमेला क्षेत्र में वानिकी प्रसार हेतु प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर का उद्घाटन दिनांक 19.01.2024 को केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ.

सिंह ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित गणमान्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक माह तक चलने वाले इस शिविर में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उन्नत वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन विभिन्न माध्यमो से किया जाएगा। इसी क्रम में उन्होने बताया कि शिविर में कृषिवानिकी वृक्षारोपण, भूमि सुधार एवं पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न तकनीकों से आगन्तुकों को अवगत कराने हेतु एक प्रदर्शनी भी लगायी गयी है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा कृषिवानिकी अपनाने पर बल दिया गया, जिसमें पॉपलर, यूकेलिप्टस तथा मीलिया-डूबिया आदि प्रजातियों को शामिल करने का आह्वान किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में मीलिया डूबिया की उपयोगिता पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बाँस की विभिन्न प्रजातियों की जानकारी साझा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी में गम्हार एवं युकेलिप्टस पर चर्चा किया। उद्घाटन सत्र में केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार आदि के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

Inauguration of Exhibition & Awareness Camp

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: IAS, Ecological Restoration Center, Prayagraj Like previous years, the exhibition and awareness camp for forestry promotion in Maghamela area was inaugurated by the center on

19.01.2024. This was done by Chief Dr. Sanjay Singh while administering the oath of environmental protection to the officers and employees of the Centre. Center Head Dr. Singh, while addressing the dignitaries present at the inauguration ceremony, said that in this month-long camp, advanced forestry techniques of the Ministry of Forest, Environment and Climate Change, Government of India will be demonstrated through various mediums. In this sequence, he said that an exhibition has also been organized in the camp to make the visitors aware of various techniques of agroforestry, tree plantation, land reclamation and environmental protection. Dr. Anita Tomar, Senior Scientist of the Centre, laid emphasis on adopting agroforestry, in which she called for including species like Poplar, Eucalyptus and Milia-Dubia etc. Senior scientist Dr. Kumud Dubey shared his experiences on the usefulness of Milia Dubiya in Eastern Uttar Pradesh. Program coordinator and senior scientist Alok Yadav shared information about various species of bamboo and useful medicinal plants that can be grown in Uttar Pradesh. Senior scientist Dr. Anubha Srivastava discussed Gamhar and Eucalyptus in agroforestry. In the inaugural session, senior technical officer of the centre, Dr. S. Research students working in various projects along with D. Shukla, Ratan Gupta, Dharmendra Kumar, Harish Kumar etc. and research students of Allahabad University etc. were present.